विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी , वर्ग-दशम् , विषय -हिन्दी

दिनांक- ३१/ ५/ २०

|| अध्ययन-सामग्री ||

जीवन -धारा .....

" बीते हुए कल से सीखे औररआज के लिए तथा आने वाले कल की उम्मीद रखें " ।

-- अल्बर्ट आइंस्टाइन

अगर हम गौर करें तो हर दिन बीत जाने पर एक अनुभव का उपहार पाते हैं ,जो हमें आज का जीवन जीने का सलीका देता है । सोचने का एक नया तरीका देता है । उस नएपन से जो हमें हौसला मिलता है , वह भविष्य के

लिए हमें उम्मीद देती है ।और हमें पता है कि उम्मीद पर ही दुनिया कायम है ।
तो, उम्मीद बनाए रखें हम किसी दिन निश्चित ही कोरोना मुक्त होंगे .....

रोचक तथ्य: ३१ मई को विश्व धुम्रपान निषेध दिवस मनाया जाता है ।

वार्तालाप: कल की कक्षा में हमने वाच्य की परिभाषा तथा उसके भेद के अंतर्गत कर्तृवाच्य को पढ़ा । अगर आपके मन में वाच्य के पढ़े हुए अंश से संबंधित कोई उलझन है तो संबंधित ग्रुप पर सवाल जरूर करें ।
आज हम वाक्य के दूसरे भेद और अकर्तृवाच्य को पढ़ेंगे _

अकर्तृवाच्य

जिन वाक्यों में कर्ता गौण या लुप्त होता है उसे अकर्तृवाच्य कहते हैं ।

अर्थात्, जिन वाक्यों में क्रिया अपने रूप का निर्धारण कर्म और भाव के अनुरूप करती है । उसे अकर्तृवाच्य कहते हैं । रूप निर्धारण का तात्पर्य है क्रिया के लिंग ,वचन का निर्धारण । अकर्तृवाच्य को दो भागों में बांटा गया है–

- ***कर्मवाच्य***
- ***भाववाच्य***

कर्मवाच्य– इस वाक्य में क्रिया अपना रूप निर्धारण लिंग वचन कर्म के अनुसार करती हैं अर्थात यहां कर्म की प्रधानता होती है तथा क्रिया के बोलने या बताने का विषय कर्म होता है उसे कर्मवाच्य

कहते हैं । कर्म के प्रधान के होने के कारण कर्ता को गौण कर उसमें से या के द्वारा लगा दिया जाता है ।

जैसे सोनिया के द्वारा गीत गाया गया ।

यहां हमने देखा कि सोनिया स्त्री० होने के बावजूद भी क्रिया गीत (कर्म) के अनुसार अपना लिंग निर्धारित कर रही है । लेकिन कभी-कभी वाक्य में कर्ता उपस्थित भी नहीं रहता तो वह भी कर्मवाच्य का उदाहरण होता है ।

- जैसे -पतंग उड़ रही है ।
- किताबें रखी हुई है ।
- बच्चे को दूध दिया गया है ।
- रोगी को दवाई दी गई है इत्यादि भी बिना कर्ता के कर्मवाच्य के उदाहरण हैं

- ***शेष कल.....***

  गृहकार्य: दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें वह समझने का प्रयास करें तथा कर्मवाच्य के पांच उदाहरणों को लिखें ।

  धन्यवाद !

.